Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D–8308

PAPER–II

PALI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PĀLI LANGUAGE AND LITERATURE

PAPER – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

1. Āḷāra Kālāma preached the doctrine of -

(A) Nevasaññānāsaññāyatana (B) Saññāyatana

(C) Ākiñcanyāyatana (D) Vivekakhyāti

2. Bimbisāra donated the 'vana' to the Buddha :

(A) Veṇuvana (B) Ambavana

(C) Jetavana (D) Ambaṭṭhikavana

3. Mahānāma belongs to the group of :

(A) Cha-Titthiya (B) Paribbājaka

(C) Pañcavaggiya (D) Ājīvaka

4. Which one of the following pairs is correctly matched ?

(A) Vappa - Vimala (B) Koṇḍañña - Puṇṇaji

(C) Assajita - Bhaddīya (D) Mahānāma - Gavampati

5. While Buddha was going from Bodhagaya to Vārāṇasī, met with _____ .

(A) Sāriputta (B) Moggallāna

(C) Upaka (D) Yasa

6. The Buddha attained the knowledge of *'Paṭiccasamuppāda'* at night in the :

(A) First part (B) Fourth part

(C) Third part (D) Second part

पालि भाषा एवं साहित्य

प्रश्नपत्र – II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

पञ्हपण्णं – II

सङ्केतो : इमस्मिं पञ्हपण्णे पञ्चासं बहु-विकप्पिय - पञ्हा सन्ति। पच्चेकपञ्हं व्दे अङ्कानं' ति। सब्बपञ्हानं उत्तरं दातब्बं।

1. आलार कालाम ने इस सिद्धान्त का उपदेश दिया :

(A) नेवसञ्ञानासञ्ञायतन (B) सञ्ञायतन

(C) आकिञ्चन्यायतन (D) विवेकख्याति

2. बिम्बिसार ने तथागत बुद्ध को यह 'वन' दान में दिया :

(A) वेणुवन (B) अम्बवन

(C) जेतवन (D) अम्बट्ठिकवन

3. महानाम है :

(A) छ-तित्थिय समुदाय के (B) परिब्बाजक समुदाय के

(C) पञ्चवग्गिय समुदाय के (D) आजीवक समुदाय के

4. निम्नलिखित में से कौन सही युग्म है?

(A) वप्प - विमल (B) कोण्डञ्ञ - पुण्णजि

(C) अस्सजित - भद्दीय (D) महानाम - गवम्पति

5. बोधगया से वाराणसी जाते समय बुद्ध _____ से मिले थे।

(A) सारिपुत्त (B) मोग्गल्लान

(C) उपक (D) यस

6. तथागत बुद्ध ने 'पटिच्चसमुप्पाद' का ज्ञान रात्रि में इसमें पाया :

(A) प्रथम प्रहर (B) चतुर्थ प्रहर

(C) तृतीय प्रहर (D) द्वितीय प्रहर

7. The number of the *'Micchāditṭhis'* mentioned in the *'Brahmajālasutta'* is :

(A) 343 (Three hundred and forty three)

(B) 18 (Eighteen)

(C) 44 (Forty four)

(D) 62 (Sixty two)

8. The correct match in the following pairs is :

(A) Pūraṇakassapa - Niyativāda

(B) Ajitakesakambali - Ucchedavāda

(C) Sañjayabelaṭṭhiputta - Attavāda

(D) Makkhaligosāla - Akiriyāvāda

9. Jetavana belongs to :

(A) Sāriputta

(B) Ānanda

(C) Ambaṭṭha

(D) Anāthapiṇḍika

10. Buddha was praised by :

(A) Brahmadatta

(B) Suppiya

(C) Sañjaya

(D) Subhadda

11. *Manopubbaṅgamā dhammā*
maosetṭhā manomayā - appears in the :

(A) *Appamāda - Vagga*

(B) *Citta - Vagga*

(C) *Yamaka - Vagga*

(D) *Bāla - Vagga*

12. 'Vassakāra' was the minister of Magadh at the time of :

(A) Bimbisāra

(B) Ajātasattu

(C) Ashoka

(D) Kālāsoka

13. The *Pubbantaditṭhis* are divided into :

(A) 44 (Forty four)

(B) 18 (Eighteen)

(C) 25 (Twenty five)

(D) 40 (Forty)

7. 'ब्रह्मजालसुत्त' में इतनी 'मिच्छादिट्ठियों' का वर्णन मिलता है :

(A) 343 (तीन सौ तेतालीस)

(B) 18 (अठारह)

(C) 44 (चबालीस)

(D) 62 (बासठ)

8. अधोलिखित युग्मों में सही युग्म है :

(A) पूरणकस्सप - नियतिवाद

(B) अजितकेसकम्बलि - उच्छेदवाद

(C) सञ्जयबेलट्ठिपुत्त - अत्तवाद

(D) मक्खलिगोसाल - अकिरियावाद

9. जेतवन इनका था :

(A) सारिपुत्त

(B) आनन्द

(C) अम्बट्ठ

(D) अनाथपिण्डिक

10. बुद्ध की प्रशंसा की गयी _____ ।

(A) ब्रह्मदत्त के द्वारा

(B) सुप्पिय के द्वारा

(C) संजय के द्वारा

(D) सुभद्द के द्वारा

11. 'मनोपुब्बंगमा धम्मा

मनोसेट्ठा मनोमया, _____ में उपलब्ध होता है।

(A) अप्पमाद - वग्ग

(B) चित्त - वग्ग

(C) यमक - वग्ग

(D) बाल - वग्ग

12. 'वस्सकार' इस राजा के काल में मगध का मंत्री था :

(A) बिम्बिसार

(B) अजातसत्तु

(C) असोक

(D) कालासोक

13. 'पुब्बंतदिट्ठियों' को इतने में विभाजित किया गया है :

(A) 44 (चौवालीस)

(B) 18 (अठारह)

(C) 25 (पच्चीस)

(D) 40 (चालीस)

14. *Sāmaññaphalasutta* was delivered at :

(A) Sahassavana (B) Jetavana

(C) Ambavana (D) Veṇuvana

15. The Gāthā : *Yathā agāraṁ succhannaṁ vuṭṭhī na samativujjhati* - appears in the :

(A) *Appamādavagga* (B) *Yamakavagga*

(C) *Cittavagga* (D) *Sahassavagga*

16. *Aciraṃ Vat'ayaṃ Kāyo*
paṭhaviṁ adhisessati - appears in the :

(A) *Citta -Vagga* (B) *Yamaka -Vagga*

(C) *Sahassa - Vagga* (D) *Appamāda - Vagga*

17. *Appaṃ pi ce sahitaṃ bhāsamāno*
dhammassa hoti anudhammacārī - appears in the :

(A) *Appamāda - Vagga* (B) *Yamaka - Vagga*

(C) *Sāmaññaphala - Vagga* (D) *Citta - Vagga*

18. The number of *Mātikā* used for the enumeration of *Rūpa* according to *Dhammasaṅgaṇi* is :

(A) Eleven (B) Twenty-one

(C) Thirty-one (D) Forty-one

19. The number of *Duka-Mātikā* in *Dhammasaṅgaṇi* is :

(A) Fifty (B) One hundred

(C) Two hundred (D) Three hundred

20. The first three fetters are destroyed by :

(A) Aṭṭhaṅgika - Magga (B) Dassana

(C) Bhāvanā (D) Yonisomanasikāra

21. The total number of *Bodhipakkhiya dhammā* is :

(A) Four (B) Nine

(C) Twenty (D) Thirty-seven

14. सामञ्ञफलसुत्त का उपदेश यहां दिया गया था :

(A) सहस्सवन (B) जेतवन

(C) अम्बवन (D) वेणुवन

15. ''यथा अगारं सुच्छन्नं वुट्ठि न समतिवुज्झति'' - यह गाथा निम्नलिखित वग्ग में आती है :

(A) अप्पमादवग्ग (B) यमकवग्ग

(C) चित्तवग्ग (D) सहस्सवग्ग

16. अचिरं वत'अयं कायो
पठविं अधिसेस्सति - में उपलब्ध होता है :

(A) चित्त - वग्ग (B) यमक - वग्ग

(C) सहस्स - वग्ग (D) अप्पमाद - वग्ग

17. 'अप्पं पि चे सहितं भासमानो
धम्मस्स होति अनुधम्मचारी' - में उपलब्ध होता है :

(A) अप्पमाद - वग्ग (B) यमक - वग्ग

(C) सामञ्ञफल - सुत्त (D) चित्त - वग्ग

18. 'धम्मसंगणि' में 'रूप' - परिगणन के लिए प्रयुक्त 'मातिका' की संख्या है :

(A) ग्यारह (B) ईक्कीस

(C) एकतीस (D) एकतालीस

19. धम्मसंगणि में 'दुक-मातिका' की संख्या है :

(A) पचास (B) एक सौ

(C) दो सौ (D) तीन सौ

20. प्रथम तीन संयोजनों का प्रहाण किया जाता है :

(A) अट्ठंगिक मग्ग द्वारा (B) दर्शन द्वारा

(C) भावना द्वारा (D) योनिसोमनसिकार द्वारा

21. 'बोधिपक्खियधम्मा' की कुल संख्या है :

(A) चार (B) नव

(C) बीस (D) सैंतीस

22. The *Manoviññāṇadhātu* includes :

(A) Fifty-six types of consciousness
(B) Sixty-six types of consciousness
(C) Seventy-six types of consciousness
(D) Eighty-six types of consciousness

23. The author of *Abhidhammatthasaṅgaho* is :

(A) Buddhadatta
(B) Buddhaghosa
(C) Dhammapāla
(D) Anuruddha

24. *Accutaṁ amataṃ khemaṁ,*
Niccaṁ santaṁ asaṅkhataṁ - This verse is written about :

(A) *Nibbāna*
(B) *Citta*
(C) *Cetasika*
(D) *Rūpa*

25. *Evaṃ aṭṭhavīsatividhesu rūpesu ādito (paṭṭhāya ?) catubbidhaṁ rūpaṃ Bhūta-rūpaṃ nāma, sesaṁ Upādā-rūpaṁ nāma.* This statement is found in the :

(A) *Dhammasaṇgṇi*
(B) *Rūpārūpa - Vibhāga*
(C) *Abhidhammattha - Saṅgaha*
(D) *Sabbāsava - Sutta*

26. The total number of *Sobhana-cetasikas* is :

(A) Twenty
(B) Twenty-five
(C) Thirty
(D) Thirty-five

27. According to *Abhidhamma,* the number of *Nīvaraṇas* is :

(A) Six
(B) Seven
(C) Eight
(D) Nine

28. Five-door thought process consists of :

(A) Five *Vīthicitta*
(B) Six *Vīthicitta*
(C) Seven *Vīthicitta*
(D) Eight *Vīthicitta*

29. The *Rūpārūpa-Vibhāga* consists of topics :

(A) Two
(B) Three
(C) Four
(D) Five

22. 'मनोविञ्ञाणधातु' समाहित करता है :

(A) छप्पन चित्तों को (B) छासठ चित्तों को

(C) छिहत्तर चित्तों को (D) छियासी चित्तों को

23. 'अभिधम्मत्थसंगहो' के लेखक हैं :

(A) बुद्धदत्त (B) बुद्धघोस

(C) धम्मपाल (D) अनुरुद्ध

24. 'अच्चुतं अमतं खेमं,
निच्चं सन्तं असंखतं' - यह गाथा लिखी गयी है :

(A) निब्बान के विषय में (B) चित्त के विषय में

(C) चेतसिक के विषय में (D) रूप के विषय में

25. 'एवं अट्ठवीसतिविधेसु रूपेसु आदितो (पट्ठाय ?) चतुब्बिधं रूपं भूत - रूपं नाम, सेसं उपादा-रूपं नाम'। - इस कथन का उल्लेख मिलता है' -

(A) धम्मसंगणि (B) रूपारूप - विभाग

(C) अभिधम्मत्थ - संगह (D) सब्बासव - सुत्त

26. 'सोभन-चेतसिकों' की कुल संख्या है :

(A) बीस (B) पच्चीस

(C) तीस (D) पैंतीस

27. अभिधम्म के अनुसार नीवरणों की संख्या है :

(A) छः (B) सात

(C) आठ (D) नौ

28. 'पञ्चद्वारवीथि' में हैं :

(A) पाँच वीथिचित्त (B) छः वीथिचित्त

(C) सात वीथिचित्त (D) आठ वीथिचित्त

29. 'रूपारूप-विभाग' विषय हैं :

(A) दो (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

30. The word *Asaṅkhata* means :

(A) Citta (B) Cetasika

(C) Rūpa (D) Nibbāna

31. The *Bāhira-Kathā* belongs to the :

(A) *Mahāvagga* (B) *Milinda-Pañha*

(C) *Yasa-Pabbajjā* (D) *Brahmajāla-Sutta*

32. The birth place of Nāgasena is :

(A) Mahāmaṅgala (B) Ketumati

(C) Kajaṅgala (D) Mahāmati

33. *Yathā hi aṅgasambhārā, hoti saddo ratho iti,*
Evaṃ khandhesu sattesu, hoti satto ti sammuti - This verse was uttered by :

(A) Vajirā (B) Nāgasena

(C) Milinda (D) Ānanda

34. Buddhaghosa was a contemporary author of :

(A) Buddhadatta (B) Ānanda

(C) Nāgasena (D) Anuruddha

35. *Manorathapūraṇī* was composed by :

(A) Buddhadatta (B) Mahānāma

(C) Buddhaghosa (D) Anomadassī

36. *Dīpavaṃsa* is composed by :

(A) Buddhadatta (B) Buddhaghosa

(C) Mahānāma (D) Unknown

37. The author of the *Mahāvaṃsa* is :

(A) Mahānāma (B) Buddhadatta

(C) Buddhaghosa (D) Anuruddha

30. 'असङ्खत' शब्द का अर्थ है :

(A) चित्त (B) चेतसिक

(C) रूप (D) निब्बान

31. 'बाहिर-कथा' है :

(A) महावग्ग में। (B) मिलिन्द पञ्ह में।

(C) यस-पब्बज्जा में। (D) ब्रह्मजाल-सुत्त में।

32. नागसेन का जन्म स्थान है :

(A) महामंगल (B) केतुमति

(C) कजंगल (D) महामति

33. 'यथा हि अंगसम्भारा, होति सद्दो रथो इति।
एवं खन्धेसु सत्तेसु, होति सत्तो ति सम्मुति।।' - यह गाथा कथित है :

(A) वजिरा द्वारा (B) नागसेन द्वारा

(C) मिलिन्द द्वारा (D) आनन्द द्वारा

34. बुद्धघोस इनके समसामयिक लेखक थे :

(A) बुद्धदत्त (B) आनन्द

(C) नागसेन (D) अनुरुद्ध

35. 'मनोरथपूरणी' के लेखक थे :

(A) बुद्धदत्त (B) महानाम

(C) बुद्धघोस (D) अनोमदस्सी

36. 'दीपवंस' के लेखक हैं :

(A) बुद्धदत्त (B) बुद्धघोस

(C) महानाम (D) अज्ञात

37. 'महावंस' के लेखक का नाम है :

(A) महानाम (B) बुद्धदत्त

(C) बुद्धघोस (D) अनुरुद्ध

38. The total number of chapters of the *Mahāvaṃsa* is :

(A) 37 (Thirty-seven) (B) 47 (Forty-seven)

(C) 27 (Twenty-seven) (D) 57 (Fifty-seven)

39. The example of *Vyañjanasandhi* is this :

(A) Yathariva (B) Anveti

(C) Saññogo (D) Dussīlo

40. The case-ending to be applied in the Sutta *Hetvatthe ca* is this :

(A) Third (B) Fourth

(C) Fifth (D) Seventh

41. The case-ending used in the *Okāsa Kāraka* is :

(A) Tatiyā (B) Catutthī

(C) Chaṭṭhi (D) Sattamī

42. The *Cullavagga* refers to :

(A) Third council (B) Fourth council

(C) Second council only (D) The first two councils

43. Names of Authors and their works are mentioned in the following **List-I** and **List-II** :

	List-I (Authors)		**List-II (Works)**
(a)	Buddhadatta	(i)	*Vinayavinicchayo*
(b)	Buddhaghosa	(ii)	*Paṭṭhāna*
(c)	Dhammapāla	(iii)	*Kathāvatthu*
(d)	Anuruddha	(iv)	*Milindapañho*

Match an item in the **List-I** and item in the **List-II** and find the correct answer from the following codes :

(A) (a) with (i)

(B) (b) with (ii)

(C) (c) with (iii)

(D) (d) with (iv)

38. 'महावंस' के कुल अध्याय हैं :

(A) 37 (सैंतीस) (B) 47 (सैंतालीस)

(C) 27 (सत्ताईस) (D) 57 (सत्तावन)

39. 'व्यञ्जनसन्धि' का यह उदाहरण है :

(A) यथरिव (B) अन्वेति

(C) सञ्ञोगो (D) दुस्सीलो

40. 'हेत्वत्थे च' सूत्र में प्रयुक्त होने वाली विभक्ति यह है :

(A) तृतिया (B) चतुर्थी

(C) पञ्चमी (D) सत्तमी

41. 'ओकास कारक' में विभक्ति प्रयुक्त होती है :

(A) तृतिया (B) चतुर्थी

(C) छट्ठि (D) सत्तमी

42. 'चुल्लवग्ग' में उल्लेख है :

(A) तृतीय संगीति (B) चतुर्थ संगीति

(C) केवल द्वितीय संगीति (D) प्रथम और द्वितीय संगीति

43. लेखकों के नाम एवं उनके कार्य नीचे की **तालिका-I** एवं **तालिका-II** में दिये गये हैं :

तालिका-I (**लेखक**)		**तालिका-II** (**कार्य**)
(a) बुद्धदत्त	(i)	विनयविनिच्छयो
(b) बुद्धघोस	(ii)	पट्ठान
(c) धम्मपाल	(iii)	कथावत्थु
(d) अनुरुद्ध	(iv)	मिलिन्दपञ्हो

तालिका-I के विषय को **तालिका-II** के विषय के साथ मिलाइये तथा निम्न कूटों से सही उत्तर पहचानिए :

(A) (a) के साथ (i)

(B) (b) के साथ (ii)

(C) (c) के साथ (iii)

(D) (d) के साथ (iv)

44. *Kathāvatthu* was composed by :

(A) Ānanda (B) Sāriputta

(C) Moggaliputta (D) Moggallāna

45. Mahāmāyā was the mother of :

(A) Yasa (B) Sāriputta

(C) Ānanda (D) Siddhattha

46. *Vayadhammā saṅkhārā, appamādena sampādethā ti* was uttered by the Buddha in the :

(A) Early days (B) Middle days

(C) Later days (D) Last days

47. *Paṭiccasamuppāda* is the concept of :

(A) Hetu-paccaya (B) Pariṇāmavāda

(C) Vivartavāda (D) Jātivāda

48. *Vedanā* belongs to :

(A) Sabbacittasādhāraṇacetasika (B) Akusalacetasika

(C) Sobhanacetasika (D) Appamaññācetasika

49. *Nibbānaṃ pana lokuttara saṅkhātaṃ* - appears in the :

(A) *Abhidhammattha - Saṅgaha* (B) *Rupārūpa - Vibhāga*

(C) *Dhammapada* (D) *Dhammacakkappavattana - Sutta*

50. *Upādāna* arises from :

(A) Nāmarūpa (B) Phassa

(C) Vedanā (D) Taṇhā

- o O o -

44. 'कथावत्थु' की रचना की गयी थी :

(A) आनन्द द्वारा (B) सारिपुत्त द्वारा

(C) मोग्गलिपुत्त द्वारा (D) मोग्गल्लान द्वारा

45. महामाया इनकी माता थी :

(A) यस (B) सारिपुत्त

(C) आनन्द (D) सिद्धत्थ

46. 'वयधम्मा सङ्खारा, अप्पमादेन सम्पादेथा' ति बुद्ध द्वारा कथित है :

(A) प्रारम्भ में (B) मध्य में

(C) कालान्तर में (D) अन्त में

47. 'पटिच्चसमुप्पाद' सिद्धान्त इससे सम्बद्ध है :

(A) हेतु-पच्चय (B) परिणामवाद

(C) विवर्तवाद (D) जातिवाद

48. 'वेदना' सन्निहित है :

(A) सब्बचित्तसाधारणचेतसिक में (B) अकुसलचेतसिक में

(C) सोभनचेतसिक में (D) अप्पमञ्ञाचेतसिक में

49. 'निब्बानं पन लोकुत्तर संखातं' - मिलती है :

(A) अभिधम्मत्थ - संगह (B) रूपारूप-विभाग

(C) धम्मपद (D) धम्मचक्कप्पवत्तन-सुत्त

50. 'उपादान' उत्पन्न होता है :

(A) नामरूप से (B) फस्स से

(C) वेदना से (D) तण्हा से

- o O o -

Space For Rough Work